अनुसंधान रिपोर्ट

दिल्ली-एनसीआर की झुग्गियों में निवास करने वाली महिलाओं की सामाजिक एवं स्वास्थ्यगत समस्याओं का अध्ययन

(A Study Sponsored by **Asha Paras for Peace and Harmony Foundation**, *Bharat)*

प्राप्तकर्ता

प्रो. आशा शुक्ला

संस्थापक एवं निदेशक

आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन, भारत

प्रस्तुतकर्ता

डॉ. रामशंकर

गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश

परियोजना अवधि: 2025–2026

आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन, भारत

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि यह रिपोर्ट – **"दिल्ली-एनसीआर की झुग्गियों में निवास करने वाली महिलाओं की सामाजिक एवं स्वास्थ्यगत समस्याओं का अध्ययन"**

मेरे द्वारा स्वतंत्र रूप से अनुसंधान विधियों के अनुरूप तैयार की गई है। यह अध्ययन **आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन**, दिल्ली द्वारा वित्त प्रदत्त है और फाउंडेशन के उद्देश्य *शांति, समरसता एवं महिला सशक्तिकरण* को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

इस रिपोर्ट में प्रस्तुत निष्कर्ष और सुझाव लेखक के स्वयं के निष्कर्ष हैं और इन्हें किसी भी अन्य स्रोत से शब्दशः या अनैतिक रूप से प्राप्त नहीं किया गया है।

डॉ. रामशंकर
अध्ययनकर्ता

दिनांक: _____

स्थान: गाज़ियाबाद

समर्पण

यह सम्पूर्ण अध्ययन मैं विनम्रतापूर्वक समर्पित करता हूँ –

प्रो. आशा शुक्ला

(भारतीय जेंडर थिंकर, महिला सशक्तिकरण की अग्रणी प्रवक्ता एवं प्रेरणास्रोत)

जिनकी विचारधारा, संघर्षशीलता, एवं संवेदनशील दृष्टिकोण ने इस अध्ययन की विषयवस्तु को गहराई, उद्देश्य और दिशा प्रदान की।

उनके प्रति मेरी असीम कृतज्ञता एवं सम्मान।

आभार पत्र

इस शोध परियोजना **"दिल्ली-एनसीआर की झुग्गियों में निवास करने वाली महिलाओं की सामाजिक एवं स्वास्थ्यगत समस्याओं का अध्ययन"** के सफलतापूर्वक संपन्न होने के लिए मैं हृदय से उन सभी व्यक्तियों एवं संस्थाओं का आभार व्यक्त करता हूँ जिनके सहयोग, मार्गदर्शन और प्रेरणा ने इसे संभव बनाया।

मैं सबसे पहले अपना विनम्र धन्यवाद प्रकट करता हूँ आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फ़ाउंडेशन की संस्थापक एवं निदेशक **प्रोफेसर आशा शुक्ला** मैम का, जिनकी विचारशील दृष्टि, स्त्री अध्ययन के प्रति समर्पण और संवेदनशील मार्गदर्शन ने मुझे इस विषय पर गहन दृष्टिकोण प्रदान किया। उनका बौद्धिक नेतृत्व और निरंतर प्रेरणा मेरे लिए मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ रही है।

मैं **आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन, भारत** के प्रति गहरी कृतज्ञता प्रकट करता हूँ, जिसने इस अध्ययन के लिए आवश्यक वित्तीय एवं नैतिक सहयोग प्रदान किया। संस्था की *शांति, समरसता एवं महिला सशक्तिकरण* के प्रति प्रतिबद्धता इस परियोजना के मूल में रही है।

मैं **फाउंडेशन के कार्यकारी प्रबंधक श्री लव चावडीकर** को धन्यवाद देता हूँ, जिनकी प्रशासनिक कुशलता, तत्परता और सहयोगपूर्ण व्यवहार ने सर्वेक्षण, संवाद और रिपोर्ट की प्रक्रिया को सुगम और व्यवस्थित बनाया।

साथ ही मैं उन सभी प्रतिभागी महिलाओं का भी आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने अपनी कठिनाइयों और अनुभवों को हमारे साथ साझा किया, जिससे यह अध्ययन यथार्थ के अधिक निकट हो सका।

इस शोध के माध्यम से मैं समाज के उस वर्ग की आवाज़ बनना चाहता हूँ, जो अक्सर उपेक्षित रह जाता है।

डॉ. रामशंकर
अध्ययनकर्ता

स्थान- गाज़ियाबाद
दिनांक: _____

अनुक्रमणिका

अध्याय सूची (Table of Contents)

1. **समर्पण (Dedication)**
2. **भूमिका (Preface)**
3. **अध्याय 1: शोध प्रस्तावना**
4. **अध्याय 2: दिल्ली-एनसीआर की शहरी झुग्गियों का परिचय**
5. **अध्याय 3: महिला संदर्भ में सामाजिक समस्याएं**
6. **अध्याय 4: स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं**
7. **अध्याय 5: नीतियाँ, योजनाएं और सरकारी प्रयास**
8. **अध्याय 6: साहित्य का पुनरावलोकन**
9. **अध्याय 7: अनुसंधान कार्यप्रणाली**
10. **अध्याय 8: आंकड़ों का विश्लेषण एवं प्रस्तुति**
11. **अध्याय 9: शोध निष्कर्ष, सुझाव एवं अनुशंसा**
12. **संदर्भ ग्रंथ सूची**
13. **परिशिष्ट**
    - प्रश्नावली
    - सर्वेक्षण क्षेत्रों का मानचित्र
    - केस स्टडी (3–5 महिलाएं)
    - सरकारी योजनाओं की सूची
    - मीडिया रिपोर्ट्स का सारांश

अध्याय-1

शोध प्रस्तावना

1.1 विषय की पृष्ठभूमि

भारत की तेजी से होती शहरीकरण प्रक्रिया ने एक ओर विकास और आधुनिकता के द्वार खोले हैं, तो दूसरी ओर नगरीय गरीबी, झुग्गी-बस्तियों और असमान विकास की चुनौतियाँ भी प्रस्तुत की हैं। दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) इस असंतुलन का जीवंत उदाहरण है जहाँ एक ओर गगनचुंबी इमारतें, मॉल्स और स्मार्ट सिटी का स्वरूप दिखता है, वहीं दूसरी ओर नालों के किनारे, रेलवे ट्रैक के आसपास, और औद्योगिक क्षेत्रों के समीप हजारों झुग्गी-बस्तियाँ मौजूद हैं।

इन झुग्गियों में निवास करने वाली महिलाओं की स्थिति अत्यंत जटिल है। वे न केवल आर्थिक निर्धनता का शिकार हैं, बल्कि सामाजिक बहिष्करण, लैंगिक भेदभाव और स्वास्थ्य संकटों से भी जूझती हैं। स्वच्छ पेयजल, सुरक्षित प्रसव सुविधाएँ, पोषण, बालिका शिक्षा, घरेलू हिंसा और शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य जैसी समस्याएँ उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन चुकी हैं। ऐसी स्थितियों में महिलाओं के समग्र जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का वैज्ञानिक विश्लेषण करना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

1.2 अध्ययन की आवश्यकता और महत्त्व

शहरी झुग्गियों की महिलाएँ एक 'दृश्य-अदृश्य' वर्ग हैं, जिन्हें योजनाओं में दर्शाया तो जाता है, पर उनकी असल आवाज़ rarely सुनी जाती है। सरकार की तमाम योजनाओं - जैसे राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, महिला हेल्पलाइन, उज्ज्वला योजना, बेटी बचाओ अभियान - का लाभ इन तक किस हद तक पहुँचता है, यह स्वयं शोध का विषय है।

इस अध्ययन की आवश्यकता इसलिये भी है क्योंकि

- यह **नीति-निर्माताओं को जमीनी हकीकत** से जोड़ता है,
- **स्वास्थ्य और सामाजिक सूचकांकों** का यथार्थ आकलन करता है,

- और **भविष्य की योजनाओं के क्रियान्वयन** में दिशा दे सकता है।

1.3 उद्देश्य (Objectives)

1. दिल्ली-एनसीआर की झुग्गियों में निवास करने वाली महिलाओं की सामाजिक स्थिति का मूल्यांकन करना।
2. उनके स्वास्थ्य से जुड़ी प्रमुख समस्याओं की पहचान करना।
3. उपलब्ध सरकारी योजनाओं की पहुँच एवं प्रभावशीलता का विश्लेषण करना।
4. महिलाओं के दृष्टिकोण से समस्याओं को समझना और समाधान सुझाना।
5. भविष्य की योजनाओं के लिए सुझाव प्रस्तुत करना।

1.4 अनुसंधान प्रश्न (Research Questions)

- झुग्गियों में रहने वाली महिलाओं की प्रमुख सामाजिक समस्याएँ क्या हैं?
- उनके स्वास्थ्य की वर्तमान दशा कैसी है?
- क्या वे स्वास्थ्य एवं सामाजिक योजनाओं से लाभान्वित हो रही हैं?
- सामाजिक समस्याओं और स्वास्थ्यगत चुनौतियों में कोई परस्पर संबंध है क्या?
- महिलाओं की दृष्टि में उनकी प्रमुख आवश्यकताएँ और अपेक्षाएँ क्या हैं?

1.5 अध्ययन की सीमाएँ (Limitations)

- यह अध्ययन केवल **दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र** की कुछ चुनी हुई झुग्गियों तक सीमित है।
- शोध का दायरा **महिलाओं तक सीमित** रहेगा, पुरुषों या बच्चों की समस्याएँ केवल संदर्भ के रूप में शामिल होंगी।
- डेटा संग्रह के लिए **साक्षात्कार और प्रश्नावली** पर निर्भरता रहेगी, जिससे उत्तरदाताओं की ईमानदारी और समझ पर अध्ययन की प्रामाणिकता कुछ हद तक निर्भर करेगी।

1.6 प्रमुख परिभाषाएँ (Operational Definitions)

- **झुग्गी (Slum):** भारत सरकार के अनुसार, झुग्गी वह क्षेत्र है जहाँ आवास अस्थायी, भीड़भाड़ वाला, और मूलभूत सुविधाओं से वंचित होता है।
- **सामाजिक समस्या:** वे स्थितियाँ जो व्यक्ति या समुदाय के जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं, जैसे- शिक्षा का अभाव, बेरोजगारी, भेदभाव आदि।
- **स्वास्थ्यगत समस्या:** ऐसा कोई भी शारीरिक, मानसिक या प्रजनन संबंधी मुद्दा जो महिला के सामान्य जीवन को प्रभावित करता है।
- **एनसीआर:** राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र जिसमें दिल्ली के अतिरिक्त गुड़गांव, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, झज्जर आदि जिले शामिल हैं।

यह स्पष्ट होता है कि झुग्गी क्षेत्रों में निवास करने वाली महिलाओं की सामाजिक एवं स्वास्थ्यगत समस्याएँ बहुआयामी, गहरी और उपेक्षित हैं। इन समस्याओं का समग्र मूल्यांकन आवश्यक है ताकि भारत के शहरी विकास मॉडल को अधिक **समावेशी, लैंगिक रूप से संवेदनशील और न्यायपूर्ण** बनाया जा सके।

निरंतर ....